an>

Title: Issue regarding pollution in river Yamuna.

श्रीमती हेमामालिनी (मथुरा) : अध्यक्ष महोदया, आपने हमें जीरों ऑवर में बोलने का समय दिया, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। मुझे बहुत खुशी और गर्व है कि मैं एक ऐसे पुण्य स्थल कृष्ण की नगरी मथुरा-वृंदावन क्षेत्र से सांसद बनकर आयी हूं, जहां पर लाखों-करोड़ों भक्तजन आते हैं। जो लोग कृष्ण की भक्ति करते हैं, वे भाव-विभोर होकर ब्रजमंडल की परिक्रमा करते हैं, मंदिरों में प्रदक्षिणा करते हैं। उस यमुना नदी में नहाते हैं, आचमन करते हैं, जहां पर भगवान कृष्ण ने बहुत सारी बाल लीलाएं रचायी थीं। भक्तजन जानते और न जानते हुए भी उस यमुना नदी में नहाते हैं, जो आज प्रदूषित हो चुकी है। सदियों से बहती हुई यमुना नदी आज नदी न होकर सिर्फ एक गंदा नाला बन चुकी है, क्योंकि उसमें सीवेज का पानी बहता रहता है। मंदिरों में भी लोग उसी पानी से मूर्तियों को स्नान कराते हैं। यह दृश्य देखकर बहुत दुख होता है। इस कारण सारे ब्रजवासी, साधु-संत बहुत दुखी हैं। अगर पहले की सरकारों ने इस पर ध्यान दिया होता, तो आज यमुना की यह स्थिति नहीं होती।

There are some facts which I want to bring to the notice of this august House.

The Hathini Kund Barrage in Haryana stops River Yamuna's free flow and creates a dry bed. This only serves transport sewage from Delhi to Agra Canal which becomes drinking water for Mathura, Vrindavan and Gokul after insufficient treatment. A recent report by the Energy and Resources Institute says that 23 per cent of children living along the river banks suffer from lead poisoning.

The remedial measures in this regard are as follows. If the Hathini Kund Barrage releases fresh water into the Yamuna, this situation may not be controlled. The rules laid down by the MoEF says that a minimum of 15 per cent water should be released before the hydro electric projects get sanctioned. If these are followed, then River Yamuna will become a flowing river again. Sewage treatment alone is not enough. Prevention of sewage inflow is important and for this, a parallel canal can be constructed alongside the river for the sewage which can be used for agriculture. This will prevent pollution of the river and also save the underground water in Delhi from contamination.

मैं सरकार से यही प्रार्थना करती हूं कि हथिनीकुंड के अगर दो गेट भी खोल दिये जायें, तो मथुरा में स्वच्छ पानी मिल सकता है। मुझे बहुत खुशी है कि माननीय प्रधान मंत्री जी भी इस विषय पर बहुत व्याकुल हैं और उन्होंने इस संबंध में बहुत सारा काम भी शुरू किया है। मेरा भी विश्वास है और पूरे ब्रजवासी भी यही उम्मीद करते हैं कि जल्द से जल्द इस पर काम शुरू होना चाहिए। राधे-राधे।